VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS
+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS
(आज का विश्लेषण)
(08 March 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले का दोषी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण और भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि
- प्रधानमंत्री ने भारतीयों से खाद्य तेल खपत में कटौती करने और मोटापे से बचने का आग्रह किया है
- अमेरिका की 'रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व योजना' क्या है और भारत को इस पर ध्यान क्यों देना चाहिए?
- MCQ

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

26/11 मुंबई आतंकवादी हमले का दोषी तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण और भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि:

क्या मामला है?

- अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने 6 मार्च को 2008 के मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की भारत को प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका खारिज कर दी। तहव्वुर राणा को 1997 में दोनों देशों द्वारा हस्ताक्षरित भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के आधार पर प्रत्यर्पित किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि तहव्वुर राणा ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दिए जाने के बाद "आपातकालीन रोक आवेदन" दायर किया था।

26/11 मुंबई आतंकवादी हमला क्या था?

- पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के 10 आतंकवादी, भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार लेकर 26 नवंबर, 2008 को समुद्र के रास्ते मुंबई में घुसे और मुंबई में 9 जगहों पर कत्लेआम मचाया।

- आतंकियों द्वारा निशाना बनाये गए जगहों में - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल, ताज होटल, लियोपोल्ड कैफे, कामा हॉस्पिटल, नरीमन हाउस, मेट्रो सिनेमा और टाइम्स ऑफ इंडिया बिल्डिंग प्रमुख थी। इन आतंकी हमलों में 6 अमेरिकी नागरिकों सहित कुल 166 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

कौन है मुंबई हमले का दोषी तहव्वुर राणा?

- मुंबई पुलिस ने अपनी चार्जशीट में तहव्वुर राणा का नाम शामिल किया था। उस पर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के एक एक्टिव मेंबर के रूप में काम करने के आरोप हैं।
- चार्जशीट में तहव्वुर राणा पर आरोप लगाया गया कि उसने 26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड डेविड कोलमैन हेडली की मदद की थी।
- उल्लेखनीय है कि तहव्वुर राणा, डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद सईद गिलानी के बचपन का दोस्त है। डेविड हेडली, एक अमेरिकी नागरिक है। हेडली को अमेरिकी कोर्ट ने 24 जनवरी, 2013 को मुंबई हमलों में शामिल होने का दोषी मानते हुए 35 साल जेल की सजा सुनाई थी।

- पाकिस्तानी सेना में एक डॉक्टर के रूप में काम करने के बाद, तहव्वुर राणा कनाडा शिफ्ट हो गया और कुछ साल बाद उसे कनाडाई नागरिकता भी मिल गई। उसने शिकागो में 'फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज' नाम से एक कंसल्टेंसी फर्म की शुरुआत की। तहव्वुर राणा की कंपनी का एक ब्रांच मुंबई में भी था, जिसने हेडली कोलमैन हेडली को मुंबई में उन जगहों की रेकी करने में मदद की, जिसे पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 नवंबर, 2008 को निशाना बनाया था।

मुंबई हमले में शामिल आतंकियों में से किसे सजा मिलना बाकी?

- मुंबई हमले में शामिल आतंकियों मे से अजमल कसाब ही जिंदा पकड़ा गया था, जिसे बाद में फांसी की सजा दी गई। इसमें डेविड हेडली, तहव्वुर राणा के अलावा एक और मास्टरमाइंड अबू जुंदाल भी इस हमले में शामिल था।
- अबू जुंदाल आतंकी संगठन लश्कर के लिए काम करने वाला भारतीय ऑपरेटिव था। उसे 2012 में गिरफ्तार किया गया था। कसाब ने उसकी पहचान की थी। इसके बाद से वो जेल में सजा काट रहा है। वहीं तहव्वुर राणा को अभी सजा मिलना बाकी है।

भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि:

- संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार और भारत गणराज्य की सरकार ने 25 जून, 1997 को एक प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के

कानून प्रवर्तन अधिकारियों के बीच सहयोग बढ़ाना और अंतर्राष्ट्रीय कानून प्रवर्तन प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देना था।

संधि के मुख्य प्रावधान:

- इस संधि के अनुसार, कोई अपराध प्रत्यर्पण योग्य है यदि वह दोनों अनुबंध पक्षों के कानूनों के तहत एक वर्ष से अधिक कारावास या अधिक कठोर दंड द्वारा दंडनीय है।
- इस संधि के तहत प्रत्यर्पण किसी भी प्रत्यर्पण योग्य अपराध के लिए दिया जाएगा, भले ही अपराध का गठन करने वाला कार्य या कार्य कहीं भी किया गया हो।
- राजनीतिक अपराध के लिए प्रत्यर्पण नहीं दिया जाएगा, हालांकि संधि कहती है कि सरकार के प्रति जानबूझकर किए गए अपराध, विमान अपहरण, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संरक्षित व्यक्तियों के खिलाफ अपराध, बंधक बनाना और बहुत कुछ राजनीतिक अपराधों के दायरे से बाहर रहना चाहिए।
- यह संधि उस स्थिति में प्रत्यर्पण पर रोक लगाती है जब वांछित व्यक्ति को अनुरोध प्राप्तकर्ता राज्य में उसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो या दोषमुक्त कर दिया गया हो, किन्तु यदि अनुरोध प्राप्तकर्ता राज्य में सक्षम प्राधिकारियों ने वांछित व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा चलाने से मना कर दिया हो या

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

आपराधिक कार्यवाही बंद करने का निर्णय ले लिया हो तो यह प्रत्यर्पण पर रोक नहीं लगाती है।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के लिए भारत ने लड़ी लंबी लड़ाई:

- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार लंबे समय से अमेरिका से तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की मांग करता रहा है, इसके लिए कई तरीके से काम भी किया जाता रहा है। इसके पीछे की वजह मुंबई हमलों में मारे गए लोगों को इंसाफ दिलाना था।
- मई 2023 में, कैलिफोर्निया में एक अमेरिकी जिला अदालत ने राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी थी, लेकिन उसकी कानूनी टीम ने फैसले के खिलाफ अपील करना जारी रखा।
- उल्लेखनीय है कि उसके खिलाफ मुंबई हमलों को लेकर पहले ही अमेरिका में मुकदमा चलाया जा चुका है, जिसमें उसे बरी किया जा चुका है, फिर भी अमेरिकी अभियोजकों का कहना है कि अमेरिका में मुंबई हमले के आरोपों पर तहव्वुर राणा का बरी होना भारत में उसके खिलाफ मुकदमा चलाने पर रोक नहीं लगाता है।

प्रधानमंत्री ने भारतीयों से खाद्य तेल खपत में कटौती करने और मोटापे से बचने का आग्रह किया है:

प्रधानमंत्री ने ऐसा क्यों कहा?

- फिट रहने के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7 मार्च को मोटापे को "कई बीमारियों की जड़" बताया, साथ ही उन्होंने एक रिपोर्ट भी साझा की। उन्होंने कहा कि "हमारी जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रही हैं। मोटापा उनमें से एक है क्योंकि यह कई बीमारियों की जड़ है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक भारत में लगभग 44 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं"।
- ऐसे में प्रधानमंत्री ने वजन कम करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए लोगों से अपील की कि "अपने दैनिक आहार में खाना पकाने के तेल का सेवन 10 प्रतिशत कम करें क्योंकि यह मोटापे का कारण बनता है"।

प्रधानमंत्री ने किस रिपोर्ट की बात की है?

- 3 मार्च को द लैंसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित दो अध्ययनों ने अनुमान लगाया है कि 380 करोड़ लोग, या वैश्विक स्तर पर सभी वयस्कों के आधे से अधिक, और 74.6 करोड़ लोग, या दुनिया भर में सभी बच्चों और किशोरों का एक तिहाई, 2050 तक अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होंगे।
- इन अध्ययनों ने 2050 तक के पूर्वानुमानों के साथ, वैश्विक रूप से अधिक वजन और मोटे व्यक्तियों (वयस्कों और बच्चों) की व्यापकता की गणना की है।
- 2021 तक, लगभग 211 करोड़ लोग, वैश्विक आबादी का लगभग 45%, मोटे या अधिक वजन वाले बताए गए थे। इनमें से लगभग आधे लोग सिर्फ आठ देशों में पाए गए: चीन (40.2 करोड़), भारत (18 करोड़), यूएसए (17.2 करोड़), ब्राजील (8.8 करोड़), रूस (7.1 करोड़), मैक्सिको (5.8 करोड़), इंडोनेशिया (5.2 करोड़), और मिस्र (4.1 करोड़)।

भारत में मोटापे के बारे में अध्ययन क्या कहते हैं?

- भारत कई सूचियों में शीर्ष पर है, दोनों अध्ययनों का अनुमान है कि भारत में अधिक वजन और मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या 2050 तक बढ़ती रहेगी। भारत कुछ श्रेणियों में पूर्ण संख्या में चीन से भी आगे निकल सकता है।

- **वयस्क आबादी:**
  - ➢ भारत में 25 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों की कुल संख्या, जिन्हें "अधिक वजन" या "मोटापे" के रूप में पहचाना गया है, में 1990 और 2021 के बीच वृद्धि हुई है।
  - ➢ अनुमान है कि 2050 में भारत में दूसरी सबसे बड़ी अधिक वजन या मोटापे की आबादी होगी, जो 1990 में विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर थी।
- **बड़े किशोर आबादी:** 2021 तक, भारत चीन से आगे निकलकर 15 से 24 वर्ष की आयु के अधिक वजन और मोटे किशोरों की सबसे बड़ी संख्या वाला देश बन गया है। बच्चों और किशोरों पर किए गए अध्ययन का अनुमान है कि यह संख्या और बढ़ेगी।
- **बच्चों की आबादी:** भारत में मोटे या अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है, भारत वर्तमान में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। अध्ययन से पता चलता है कि 2050 तक दोनों देशों के बीच का अंतर कम हो जाएगा।

मोटापे से ग्रस्त किसे माना जाता है?

- मोटे और अधिक वजन वाले वयस्कों पर किए गए अध्ययन में बॉडी मास इंडेक्स (BMI) - किसी व्यक्ति के वजन और उसकी ऊंचाई के वर्ग का अनुपात - के

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

अनुसार मापा जाता है। अगर उनका BMI 30 से अधिक है, तो 'मोटापा' माना जाता है, और अगर उनका BMI 25 से 30 के बीच है, तो 'अधिक वजन' वाला माना जाता है। समानांतर अध्ययन में, वैज्ञानिकों ने 5-17 वर्ष की आयु के बच्चों और युवा किशोरों के लिए उम्र और लिंग के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय मोटापा टास्क फोर्स की वजन संबंधी सिफारिशों पर विचार किया।

- जनवरी में, लैंसेट आयोग ने मोटापे की परिभाषा में बदलाव करके दो नई श्रेणियां पेश करने का प्रस्ताव दिया था: 'क्लिनिकल मोटापा' और 'प्रीक्लिनिकल मोटापा'। नई परिभाषा में ऊंचाई, वजन, कमर की परिधि, मांसपेशियों का द्रव्यमान और विभिन्न अंगों की कार्यप्रणाली जैसे शारीरिक पैरामीटर शामिल थे।
- संशोधित परिभाषा के तहत, चिकित्सक 'क्लिनिकल मोटापा' का निदान करने के लिए BMI, कमर की परिधि, कमर से कूल्हे का अनुपात और कमर से ऊंचाई के अनुपात में से कम से कम दो शारीरिक आकार के मापदंडों पर विचार करेगा। वे सांस फूलना, घरघराहट, नींद में श्वास रुकना, चयापचय संबंधी विकार, प्रजनन प्रणाली में परिवर्तन, हृदय गति रुकना, लगातार थकान, घुटने और जोड़ों में दर्द, तथा सामान्य दिन-प्रतिदिन के जीवन में किसी भी तरह की बाधा जैसे लक्षणों की जांच करेंगे।

- इस प्रकार, शरीर के आकार के मापदंडों पर उच्च रैंकिंग वाला व्यक्ति लेकिन मोटापे के किसी भी परिणाम का अनुभव नहीं करने वाले व्यक्ति को प्री-क्लीनिकल मोटापे के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इस नई परिभाषा का उद्देश्य मोटापे के प्रभाव को व्यापक रूप से निर्धारित करना है।

अमेरिका की 'रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व योजना' क्या है और भारत को इस पर ध्यान क्यों देना चाहिए?

चर्चा में क्यों है?

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व और एक 'अमेरिकी डिजिटल एसेट स्टॉकपाइल' स्थापित करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जो क्रिप्टोकरेंसी के प्रति अमेरिकी सरकार के दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव दर्शाता है। 6 मार्च को घोषित इस कदम का उद्देश्य अमेरिका को डिजिटल एसेट रणनीति में अग्रणी के रूप में स्थापित करना है।
- इस रिजर्व को संघीय सरकार द्वारा आपराधिक और नागरिक ज़ब्ती कार्यवाही के माध्यम से जब्त किए गए बिटकॉइन के माध्यम से वित्त पोषित किया जाएगा।

'रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व' कैसे काम करेगा?

- **फ़ंडिंग और अधिग्रहण:** यह एसेट रिजर्व कानूनी रूप से जब्त संपत्तियों के ज़रिए बढ़ेगा। ट्रेजरी और वाणिज्य विभाग करदाताओं के बोझ के बिना अधिक बिटकॉइन हासिल करने के लिए बजट-तटस्थ रणनीति विकसित करेंगे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- **प्रबंधन और निरीक्षण:** अमेरिकी सरकार अन्य डिजिटल संपत्तियों के प्रबंधन के लिए ज़िम्मेदार रणनीति निर्धारित करते हुए बिटकॉइन को अनिश्चित काल तक बनाए रखेगी। एजेंसियों को ट्रेजरी सचिव और डिजिटल एसेट मार्केट्स पर राष्ट्रपति के कार्य समूह को होल्डिंग्स की रिपोर्ट करनी होगी।
- **बाजार प्रभाव:** इस घोषणा से क्रिप्टोकरेंसी में भारी उछाल आया। बिटकॉइन कुछ समय के लिए 90,000 डॉलर तक बढ़ गया, जबकि कार्डानो 70%, XRP 40% और सोलाना 18% उछला। हालांकि, अस्थिरता के बाद XRP, सोलाना और कार्डानो में दोहरे अंकों की गिरावट देखी गई।

दुनिया पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

- **सरकारों द्वारा अपनाया जाना:** अमेरिका की भागीदारी डिजिटल परिसंपत्तियों को वैधता प्रदान करती है, जिससे संस्थागत निवेश में तेजी आ सकती है।
- **बाजार प्रतिस्पर्धा:** विशिष्ट क्रिप्टोकरेंसी पर रिजर्व का ध्यान उद्योग की गतिशीलता को बदल सकता है, जिससे अन्य की तुलना में शामिल परिसंपत्तियों को प्राथमिकता मिल सकती है।
- **विनियामक बदलाव:** यह पिछले प्रशासन के सतर्क रुख से अलग है, जिससे संभवतः नए क्रिप्टोकरेंसी विनियमन लागू हो सकते हैं।

- **आर्थिक जोखिम:** डिजिटल परिसंपत्तियों में अमेरिका नेतृत्व को बढ़ाते हुए, आलोचक बिटकॉइन की अस्थिरता और अर्थव्यवस्था पर इसके अनिश्चित प्रभाव की चेतावनी देते हैं।

भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

- **ट्रेडिंग वॉल्यूम में उछाल:** निवेशकों की तेजी की भावना के कारण भारतीय एक्सचेंजों में गतिविधि में वृद्धि देखी गई है।
- **नियामक दबाव:** यह कदम भारतीय नियामकों को अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है, भारत वेब 3 एसोसिएशन नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्पष्ट नियमों की वकालत कर रहा है।
- **मार्केटिंग पुनरुद्धार:** क्रिप्टो विज्ञापन वापसी कर रहे हैं, क्योंकि एक्सचेंज भारतीय उपयोगकर्ताओं को फिर से जोड़ना चाहते हैं।

MCQs

1. चर्चा में रहे '26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

   1. इस हमले को पाकिस्तानी ISI और लश्कर-ए-तैयबा ने मिलकर अंजाम दिया था।
   2. अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस हमले के मास्टरमाइंड में से एक तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है।

   उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1

   (b) केवल 2

   (c) 1 और 2 दोनों

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

   Ans:(c)

2. हाल ही में चर्चा में रहे 'भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि' को लेकर निम्नलिखित कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   (a) दोनों देशों के मध्य यह संधि 25 जून, 1997 को हुआ था।

   (b) इसके तहत कोई अपराध प्रत्यर्पण योग्य है जिसके लिए एक वर्ष से अधिक कारावास या अधिक कठोर दंडनीय है।

(c) यह संधि उस स्थिति में प्रत्यर्पण पर रोक लगाती है जब वांछित व्यक्ति को अनुरोध प्राप्तकर्ता राज्य में उसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया हो या दोषमुक्त कर दिया गया हो।

(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

Ans:(d)

3. हाल ही में द लैंसेट मेडिकल जर्नल में प्रकाशित दो अध्ययनों में वैश्विक स्तर पर मोटापे और अधिक वजन की समस्या को बताया गया है। इन अध्ययनों में भारत को लेकर दिए गए प्रमुख निष्कर्षों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वर्तमान में भारत में मोटे या अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है।
2. वयस्क आबादी के मामले में 2050 में भारत दूसरी सबसे बड़ी अधिक वजन या मोटापे की आबादी होगी।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)

4. चर्चा में रहे अमेरिका की ‘रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व योजना’ के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) यह क्रिप्टोकरेंसी के प्रति अमेरिकी सरकार के दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव दर्शाता है।

(b) यह एसेट रिजर्व कानूनी रूप से जब्त संपत्तियों के जरिए बढ़ेगा।

(c) यह वैश्विक डिजिटल परिसंपत्तियों को वैधता प्रदान करती है, जिससे संस्थागत निवेश में तेजी आ सकती है।

(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

Ans:(d)

5. वैश्विक स्तर पर मोटापे की आधुनिक एवं अन्य परिभाषा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. लैंसेट आयोग ने मोटापे की परिभाषा में बदलाव करके दो नई श्रेणियां- 'क्लिनिकल मोटापा' और 'प्रीक्लिनिकल मोटापा' - पेश करने का प्रस्ताव दिया है।
2. इसके तहत 30 बॉडी मास इंडेक्स से अधिक वाला व्यक्ति 'क्लिनिकल मोटापा' के अंतर्गत माना जायेगा।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(a)